बिज़नेस स्टैंडर्ड

# हस्तशिल्पियों की मदद करेगा फिक्की

बीएस संवाददाता
लखनऊ, 8 मई

विदेश में अपने हुनर का जादू बिखेरने की तमन्ना रखने वाले उत्तर प्रदेश के हस्तशिल्पियों की मदद फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री (फिक्की) और अखिलेश सरकार करेगी।

विदेश में अपने माल के सैंपल को प्रदर्शित करने, व्यापार मेले में भाग लेने के लिए जरूरी कस्टम औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए फिक्की ने उद्यमियों की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश के लघु उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) भगवत शरण गंगवार ने कहा कि उनकी सरकार हस्तशिल्पियों और छोटे व मझोले उद्यमियों तक एटीए कारनेट के बारे में जानकारी साझा करेगी और इसे दिलाने में उनकी मदद करेगी। सैंपल आयटमों के आयात व निर्यात के लिए जरूरी एटीए कारनेट के बारे में जानकारी देने के लिए फिक्की उत्तर प्रदेश चैप्टर ने आज आईआईए भवन में एक कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में फिक्की के वरिष्ठ निदेशक निरंकार सक्सेना ने कहा कि एटीए कारनेट 72 देशों में माल के शुल्क मुक्त एवं कर मुक्त अस्थायी आयात की सुविधा के लिए बनाया या एक अंतरराष्ट्रीय सीमा शुल्क दस्तावेज है। इसका इस्तेमाल भारत में कम ही लोग कर रहे हैं।

एमएसएमई के लिए केंद्र सरकार एटीए कारनेट पर विशेष रियायत दे रही है हालांकि फिक्की जोकि इसकी नोडल एजेंसी है, नाममात्र के शुल्क पर इसे जारी कर रही है। एटीए कारनेट के लिए फिक्की के पास ऑनलाइन आवेदन व फीस जमा की जा सकती है। देश के 8 बंदरगाहों पर

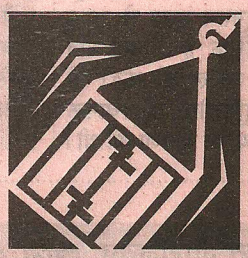

एटीए कारनेट के जरिये विदेश में अपने हुनर का प्रदर्शन कर सकेंगे हस्तशिल्पी। इससे निर्यात को मिलेगा प्रोत्साहन

एटीए कारनेट हासिल करने के बाद माल बाहर भेजा जा सकता है। उत्तर प्रदेश उत्तरांचल के कस्टम आयुक्त अजय दीक्षित ने कहा कि प्रदेश में जिन 4 जगहों पर आईसीडी (इनलैंड कंटेनर डिपो) हैं वहां से भी एटीए कारनेट जारी हो इसकी पहल करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर निर्यातक चाहेगा तो अधिकारी उसकी फैक्टरी में जाकर माल देखकर एटीए कारनेट जारी कर देंगे।

इस मौके पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष जुगुल किशोर ने फिक्की से आईआईए के जरिये एटीए कारनेट चाहने वालों के लिए एक सेल खोलने की बात उठाई। फिक्की के प्रदेश प्रमुख अमित गुप्ता ने कहा कि जल्दी प्रदेश के उद्यमियों के हित में और भी कार्यक्रमों का आयोजन होगा।